8 राजस्थान में संप्रदाय एवं संत

1. हवेली संगीत का सम्बन्ध किस सम्प्रदाय से है?
(1) वल्लभ सम्प्रदाय (2) निम्बार्क सम्प्रदाय
(3) गौडीय सम्प्रदाय (4) रसिक सम्प्रदाय (1)

2. राजस्थान का वह लोकसंत जिनके चमत्कारों से प्रभावित होकर दिल्ली सुल्तान सिकन्दर लोदी ने भू–दान किया था?
(1) जाम्भोजी (2) धन्नाजी
(3) मीरां बाई (4) जसनाथजी (4)

व्याख्या– सिकन्दर लोदी ने संत जसनाथ जी के चमत्कारों से प्रभावित होकर इन्हें कतरियासर में 500 बीघा भूमि प्रदान की तथा नगाड़ा बजाने की छूट दी थी।

3. धधकते अंगारों पर किया जाने वाला अग्नि नृत्य किस सम्प्रदाय के लोगों द्वारा किया जाता है?
(1) जसनाथी सम्प्रदाय (2) रामस्नेही सम्प्रदाय
(3) विश्नोई सम्प्रदाय (4) निम्बार्क सम्प्रदाय (1)

व्याख्या–अग्नि नृत्य – जसनाथी सम्प्रदाय के कुछ अनुयायी अग्नि नृत्य करते है। जो नृत्य के दौरान फतेह–फतेह तथा सिद्ध रूस्तम जी का उच्चारण करते है। अग्नि नृत्य को सर्वाधिक संरक्षण बीकानेर महाराजा गंगासिंह ने दिया।

4. निम्न में से कौनसा स्थान लालदासी सम्प्रदाय से संबंधित नही है?
(1) शेरपुर (अलवर) (2) डेहरा (अलवर)
(3) नगला जहाज (भरतपुर) (4) धोलीदूब (अलवर) (2)

व्याख्या– लालदास जी का जन्म धोलीदूब (अलवर) में हुआ था, इनकी मृत्यु नगला जहाज (भरतपुर) में हुई थी। इनकी समाधि शेरपुर (अलवर) में है।

5. निम्न में से कौनसी रचना मीरां द्वारा रचित नहीं है?
(1) नरसी जी रो माहेरो (2) मीरां की पदावली
(3) राग सोरठ के पद (4) टीका राग गोविन्द (1)

व्याख्या– 'नरसी जी रो माहेरो' नामक रचना रतना खाती की है।

6. राजस्थान में अष्टछाप कवियों का प्रमुख केन्द्र रहा है?
(1) सलेमाबाद (2) नाथद्वारा
(3) शाहपुरा (4) कतरियासर (2)

7. संत लालदास जी ने किससे दीक्षा ली थी?
(1) शुक देवी (2) कृपाराम
(3) संत गद्दन चिश्ती (4) मुनि शुकदेव (3)

व्याख्या– लालदास जी ने मुस्लिम संत गद्दन चिश्ती (तिजारा) से दीक्षा ली और उन्हीं की प्रेरणा स्वरूप धौली दुब छोड़कर बाधोली ग्राम में 'सिंहशिला' पहाड़ पर कुटिया बना ली।

8. नाथद्वारा में किस सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ है?
(1) निम्बार्क (2) नाथ
(3) लकुलिश (4) पुष्टिमार्ग (4)

व्याख्या– ध्यान रहे वल्लभ सम्प्रदाय को 'पुष्टिमार्ग सम्प्रदाय' भी कहा जाता है।

9. संत दादुदयाल को अकबर ने धार्मिक चर्चा के लिए फतेहपुर सीकरी के इबादतखाने में कब बुलाया था ?
(1) 1482 ई. (2) 1585 ई.
(3) 1352 ई. (4) 1421 ई. (2)

10. निम्न में से किसके भजन गुरु ग्रन्थ साहिब में संकलित नहीं है?
(1) रैदास (2) संत धन्ना
(3) संत पीपा (4) संत माव जी (4)

11. 'कीर्तनमाला' किस संत की रचना है?
(1) मीरां (2) गुलाबो
(3) गवरी बाई (4) सहजो बाई (3)

12. संत रैदास की छतरी स्थित है?
(1) गागरोन (2) चितौड़
(3) समदड़ी (4) डूँगरपुर (2)

13. प्रसिद्ध महिला संत करमेती बाई का स्मारक कहाँ पर बनाया जा रहा है?
(1) महुवा (दौसा) (2) खंडेला (सीकर)
(3) साबला (डुँगरपुर) (4) मेड़ता (नागौर) (2)

14. संत दरियावजी रामस्नेही संप्रदाय की किस शाखा के प्रवर्तक थे–
(1) रैण (2) शाहपुरा
(3) खेड़ापा (4) सींथल (1)

15. निरंजनी संप्रदाय के संस्थापक .... थे?
(1) संत हरिदास (2) संत रामचरण
(3) संत चरणदास (4) संत नवलदास (1)

16. मीरां द्वारा चित्तौड़ परित्याग के समय मेवाड़ का शासक कौन था?
(1) राणा सांगा (2) महाराणा प्रताप
(3) उदय सिंह (4) विक्रमादित्य (4)

17. राजस्थान के किस संत ने अपने राज्य को त्याग कर गुरु मंडली में सम्मिलित हुए?
(1) धन्ना (2) दादू
(3) पीपा (4) चरणदास (3)

व्याख्या– संत पीपा का जन्म 1425 ई. में चैत्र पुर्णिमा को गागरोन के खींची राज परिवार में हुआ। ये गागरोन के शासक भी रहे। पीपा के निवेदन पर आचार्य रामानंद द्वारिका जाते समय अपने शिष्यों सहित गागरोन आए थे तब पीपा ने अपने भाई अचलदास खींची को गागरोन का शासन सौंपकर रामानंद के साथ द्वारिका चले गए।

18. जसनाथी संप्रदाय के नियमों की संख्या है?
(1) 36 (2) 29
(3) 11 (4) 26 (1)

19. संत लालदास.............. के लिए अच्छी तरह से जाने जाते हैं–
(1) मूर्तिपूजा (2) समाज सुधार
(3) सरल जीवन (4) साम्प्रदायिक सद्भाव (4)

20. निम्न में से असुमेलित युग्म छांटिए–

लोक संत	मुख्य पीठ
(1) जसनाथी जी	– कतरियासर (बीकानेर)
(2) रामचरण जी	– शाहपुरा (भीलवाड़ा)
(3) जाम्भो जी	– मुकाम (नोखा)
(4) दादुदयाल	– सांभर (जयपुर)

(4)

व्याख्या– दादु पंथ की प्रमुख पीठ नारायणा (जयपुर) में है।

21. जोधपुर में महामन्दिर राजस्थान के किस संप्रदाय की प्रमुख पीठ है?
(1) वल्लभ सम्प्रदाय (2) नाथ पंथ
(3) रसिक सम्प्रदाय (4) रामस्नेही सम्प्रदाय (2)

22. राजस्थान के किस सन्त द्वारा 'सत्यभामाजी नुं रूसणो' की रचना की गयी?
(1) गवरी बाई (2) मावजी
(3) रैदास (4) मीरां बाई (4)

23. 'मंत्र राजप्रकाश' किस संत के आध्यामिक विचारों का संकलन है?
(1) संत रामचरण (2) संत हरिदास
(3) संत चरणदास (4) संत सुन्दरदास (2)

व्याख्या– संत हरिदास जी के उपदेश 'मंत्र राजप्रकाश' व 'हरिपुरुष जी की वाणी' में संकलित हैं। इनके अन्य ग्रन्थों में साखी, भक्त विरदावली, श्री हरिपुरुष भृतहरि संवाद आदि शामिल हैं।

24. बालिन्दजी के गुरु कौन थे?
(1) रामानन्द (2) रैदास
(3) दादू दयाल जी (4) चरणदास (3)

व्याख्या– दादु दयाल के प्रमुख शिष्यों में सुन्दरदास, गरीबदास, मिस्किनदास, रज्जब जी, बखना जी, बालिन्द जी, माधोदास व जनगोपाल शामिल हैं।

25. निम्न में असुमेलित छांटिए–

सम्प्रदाय	प्रमुख पीठ
(1) गूदड़ सम्प्रदाय	– दाँतड़ा (भीलवाड़ा)
(2) नवल सम्प्रदाय	– जोधपुर
(3) चरणदासी सम्प्रदाय	– दिल्ली
(4) अलखिया सम्प्रदाय	– नागौर (4)

व्याख्या– अलखिया सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ बीकानेर में है।

26. राजस्थान में 'तेरापंथ' सम्प्रदाय के प्रवर्तक रहे हैं?
(1) आचार्य तुलसी (2) भगवान महावीर
(3) भीखण जी (4) आचार्य महाप्रज्ञ (3)

व्याख्या– आचार्य भीक्षू/भीखण जी का जन्म कन्टालिया (पाली) में 1726 ई. में हुआ था। इनकी समाधि सिरयारी (पाली) में है। इन्होंने जैन धर्म की श्वेताम्बर शाखा में 'तेरापंथ सम्प्रदाय' की स्थापना की।

27. चरणदासी सम्प्रदाय की प्रधान पीठ कहाँ स्थित है?
(1) अलवर (2) दिल्ली
(3) जयपुर (4) जोधपुर (2)

28. राजस्थान में दर्जी समुदाय किसे अपना आराध्य मानता है?
(1) गुरु रामानन्द (2) संत पीपा
(3) संत माव जी (4) संत धन्ना (2)

29. मीरां ने अपना अंतिम समय किस स्थान पर बिताया?
(1) कुड़की (2) द्वारिका
(3) मेड़ता (4) नाथद्वारा (2)

व्याख्या– अपने देवर विक्रमादित्य की प्रताड़ना से परेशान होकर मीरां चित्तौड़गढ़ छोड़कर मेड़ता आ गई, फिर वृंदावन चली गई, उसके बाद द्वारिका चली गई। मीरां गुजरात के रणछोड़ मंदिर (डाकोर) में 1547 ई. में कृष्ण की मूर्ति में समा गई।

30. राजस्थान में लकुलीश सम्प्रदाय का प्रमुख मंदिर है?
(1) रणकपुर मंदिर (पाली) (2) एकलिंग मंदिर (उदयपुर)
(3) गोविन्द देव मंदिर (जयपुर) (4) श्रीनाथ मंदिर (राजसमंद) (2)

31. राजस्थान में नाथ की प्रमुख 2 शाखाएँ है, उनके नाम हैं?
(1) बैराग पंथ व माननाथी (2) रसिक पंथ व गोरखनाथी
(3) ब्रह्म पंथ व माधोनाथी (4) सखि पंथ व हरिनाथी (1)

32. दादू पंथ की मुख्य गद्दी कहाँ स्थित है?
(1) अहमदाबाद (2) शाहपुरा (जयपुर)
(3) गागरोन (झालावाड़) (4) नरायणा (जयपुर) (4)

33. 'पुष्टिमार्ग' सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन है?
(1) निम्बार्काचार्य (2) वल्लभाचार्य
(3) माध्वाचार्य (4) रामानुजाचार्य (2)

व्याख्या– वल्लभ सम्प्रदाय जिसे पुष्टिमार्गी सम्प्रदाय भी कहा जाता है। इसके प्रवर्तक आचार्य वल्लभाचार्य थे। वल्लभाचार्य को श्रीनाथ जी मूर्ति गोवर्धन पर्वत से जतीपुरा गाँव से प्राप्त हुई जिसको लेकर वे वृन्दावन आए और वहाँ श्री नाथ जी का मंदिर बनवाकर उसमें मूर्ति की प्रतिष्ठा करवायी। इसी कारण वल्लभ सम्प्रदाय के आराध्य देव श्रीनाथ जी है।

34. 'पर्यावरण चेतना' जैसी आधुनिक शब्दावली का महत्व बहुत पहले से ही किस संत ने जान लिया था?
(1) जांभोजी (2) दादू दयाल जी
(3) संत धन्ना जी (4) संत माव जी (1)

35. संत पीपा की गुफा कहाँ है?
(1) गागरोन (झालावाड़) (2) टोडा (टोंक)
(3) धुवन ग्राम (टोंक) (4) दांतड़ा (भीलवाड़ा) (2)

व्याख्या– संत पीपा ने टोंक के टोडारायसिंह में अपना काफी समय व्यतीत किया था। संत पीपा घूमते हुए टोडा आये और यहाँ के शासक सूरसेन को अपनी दौलत संतों में बांट देने पर अपना शिष्य बनाया।

36. वल्लभ सम्प्रदाय के मंदिर में भगवान कृष्ण के बाल रूप की दिन में कितनी बार सेवा/पूजा की जाती है?
(1) 8 बार (2) 4 बार
(3) 10 बार (4) 12 बार (1)

व्याख्या– इस सम्प्रदाय के मंदिर में 8 झांकियाँ होती हैं– मंगला, श्रृंगार, ग्वाल, राजभोग, उत्थापन, भोग, आरती व शयन

37. नाथद्वारा में श्रीनाथ जी मंदिर का निर्माण किसने करवाया था?
(1) महाराणा राजसिंह (2) अमरसिंह प्रथम
(3) बप्पा रावल (4) महाराणा स्वरूपसिंह (1)

38. राजस्थान में निम्बार्क सम्प्रदाय की प्रधान पीठ कहाँ पर स्थित है–
(1) वृंदावन (2) सलेमाबाद
(3) अजमेर (4) दिल्ली (2)

39. दादु पंथ का 'सत्संग स्थल' कहलाता है?
(1) अलख दरीबा (2) दादु खोल
(3) खालसा (4) खी (1)

40. निम्न को सुमेलित कीजिए–

सम्प्रदाय	स्थापना
(क) दादू पंथ	(1) 1760 ईस्वी
(ख) विश्नोई सम्प्रदाय	(2) 1504 ईस्वी
(ग) जसनाथी सम्प्रदाय	(3) 1485 ईस्वी
(घ) रामस्नेही सम्प्रदाय	(4) 1574 ईस्वी

	क	ख	ग	घ
(1)	4	3	2	1
(2)	2	1	4	3
(3)	2	3	4	1
(4)	3	2	4	1

(1)

41. निम्न में से 'मत्स्य प्रदेश की मीरां' किसे कहा जाता है?
(1) रानी रतनावली (2) फूलीबाई
(3) समानबाई चारण (4) भोलीगुजरी (3)

व्याख्या– समानबाई चारण भगवान श्रीकृष्ण की उपासक थी। इन्हें मत्स्य प्रदेश की मीरां कहा जाता है। इन्होंने आजीवन आँखों पर पट्टी बाँधें रखी।

42. निरंजनी सम्प्रदाय की प्रमुख पीठ कहाँ स्थित है?
(1) शाहपुरा (भीलवाड़ा) (2) नारायणा (जयपुर)
(3) डेहरा (अलवर) (4) गाढ़ा (नागौर) (4)

43. किस संत के चौपड़े केवल दीपावली के दिन ही बाहर निकाले जाते है?
(1) दादू दयालजी (2) संत मावजी
(3) संत धन्नाजी (4) संत रैदास जी (2)

व्याख्या– संत मावजी को वागड़ का धणी कहा जाता है। जिनका जन्म साबला (डूँगरपुर) में ब्राह्मण परिवार में 1714 ई. में माघ शुक्ल पंचमी को हुआ था। मावजी की वाणी को चौपड़ा कहा जाता है। ये चौपड़े केवल दीपावली के दिन ही बाहर निकाले जाते है।

44. जाम्भो जी के बारे में निम्न में से असत्य कथन है?
(1) ये 'गोरखनाथ' के शिष्य थे।
(2) इनका प्रवचन स्थल 'सांथरी' कहलाता है।
(3) इन्हें 'गुंगा व गहला' भी कहा जाता है।
(4) इन्हें कृष्ण का अवतार माना जाता है। (4)

व्याख्या– जाम्भो जी विष्णु के अवतार माने जाते हैं।

45. साखी पद, आध्यात्म बोध व अनभै प्रबोध नामक रचनाएँ किस संत की हैं?
(1) रज्जब जी (2) गरीबदास
(3) सुंदरदास (4) लालदास (2)

46. (संत) को (सम्प्रदाय) से मिलान कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए–

(क) रामानुज	1. विशिष्टाद्वैत
(ख) निम्बार्क	2. द्वैताद्वैत
(ग) माधवाचार्य	3. द्वैत
(घ) वल्लभाचार्य	4. शुद्धाद्वैत

	क	ख	ग	घ
(1)	1	2	3	4
(2)	2	1	4	3
(3)	2	3	4	1
(4)	3	2	4	1

(1)

47. रामस्नेही सम्प्रदाय का प्रमुख मेला कब भरता है?
(1) बसन्त पंचमी
(2) चैत्र कृष्ण एकम से चैत्र कृष्ण पंचमी
(3) फाल्गुन शुक्ल अष्टमी
(4) भाद्रपद शुक्ल अष्टमी (2)

48. निम्नलिखित में से कौन तेरापंथ सम्प्रदाय के 9वें आचार्य थे?
(1) आचार्य महाप्रज्ञ (2) आचार्य तुलसी
(3) ऋषभदेव (4) महावीर स्वामी (2)

व्याख्या– आचार्य तुलसी तेरापंथ सम्प्रदाय के 9वें आचार्य थे। इनका जन्म लाडनूं (नागौर) में हुआ था।

49. फैमिली एंड दा नेशन, जैन योग, मेरी दृष्टि मेरी सृष्टि, महावीर का पुनर्जन्म व ध्यान योग आदि पुस्तकों की रचना किसके द्वारा की गई है?
(1) चंद्रप्रभु (2) पार्श्वनाथ
(3) आचार्य महाप्रज्ञ (4) नेमीनाथ (3)

व्याख्या– आचार्य महाप्रज्ञ तेरापंथ सम्प्रदाय के 10वें आचार्य थे। इनका मूल नाम नथमल चौरड़िया था।

50. मैं सबसे पहले मानव हूँ, फिर धार्मिक, फिर जैन धर्माचार्य यह कथन किसने कहा था?
(1) आचार्य भिक्षु (2) ऋषभदेव
(3) महावीर स्वामी (4) आचार्य तुलसी (4)

Lead, Read and Achieve Dhindhwal Publication

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती मुख्य परीक्षा– 2022 के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें–

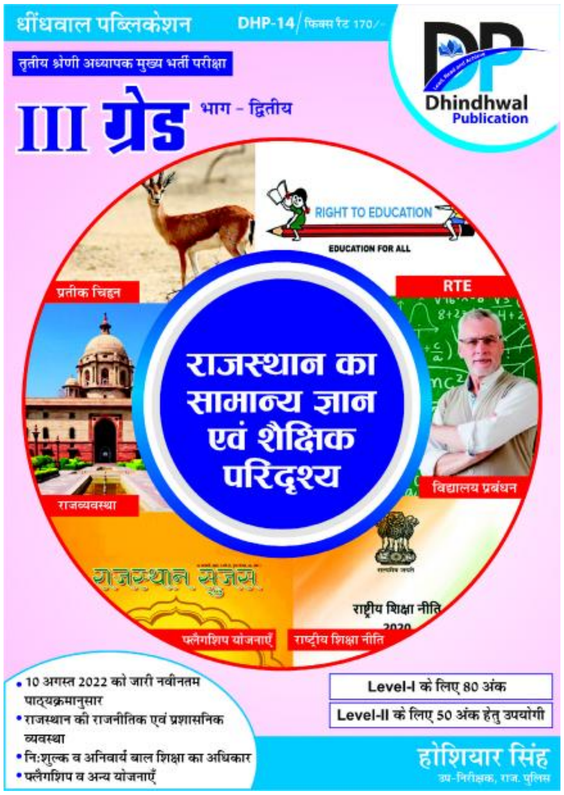

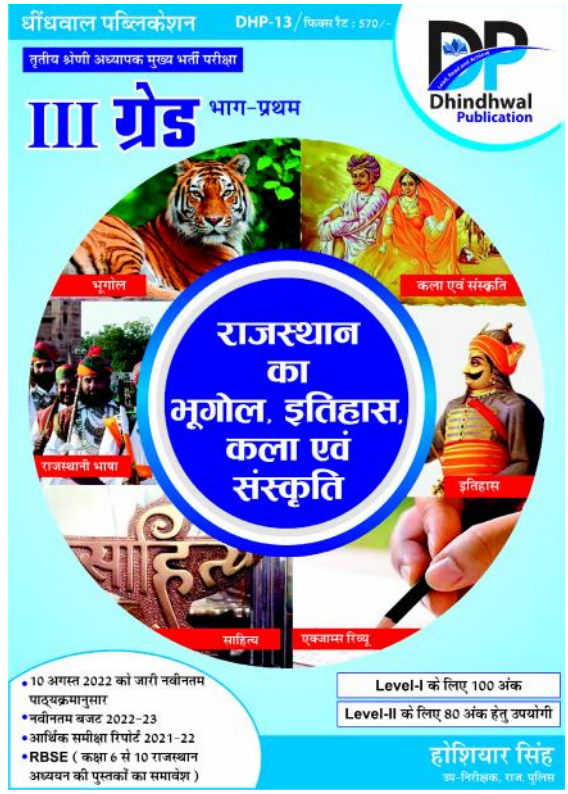

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध हैं। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।